उत्पत्ति ३८ : यहूदा

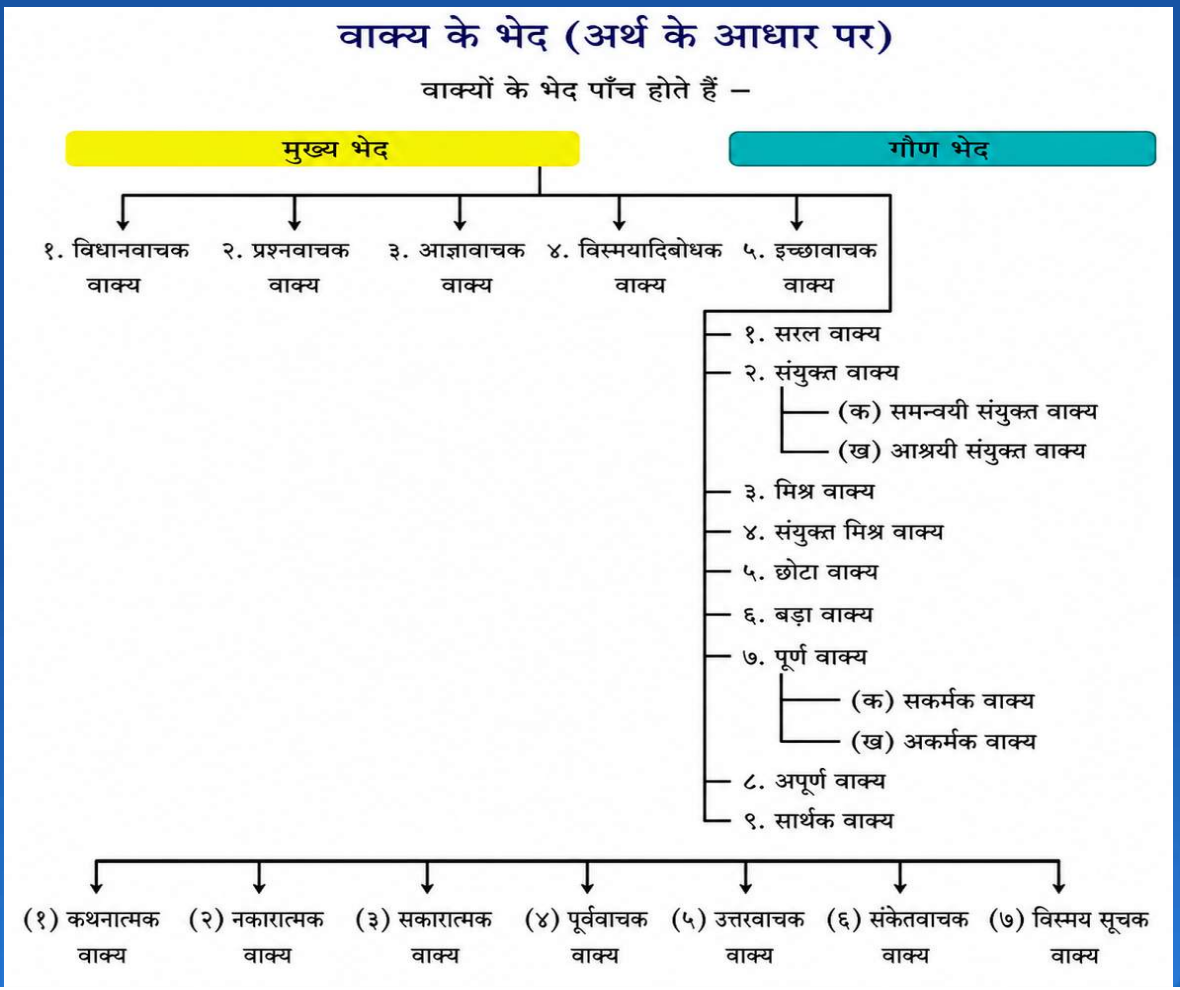

- यह रक्त-रेखाओं और वंशावली की कहानी है।
- अदुल्लाम, केज़ीब, तिम्ना, एनाम – ये सब यहूदा के क्षेत्र के भीतर होंगे।
- समय-सीमा: यूसुफ के बेचे जाने के बाद, परन्तु याकूब के कुल को मिस्र ले जाने से पहले।

पूर्ण अनुवादित अंश (एक साथ):

शुआ की पुत्री

- यहूदा एक कनानी स्त्री से विवाह करता है।
- यहूदा ने अपने भाइयों से अलग होने का निर्णय लिया।
- ३ पुत्र उत्पन्न हुए, वाचा की प्रतिज्ञा की रेखा को आगे बढ़ाने के लिए कोई भी उपयुक्त नहीं।
- यहूदा ने वही किया जो एसाव ने किया था।
- उसने अपने विश्वास को जीवन के दैनिक मामलों से अलग कर लिया।

यहूदा का पहिलौठा तामार से विवाह करता है

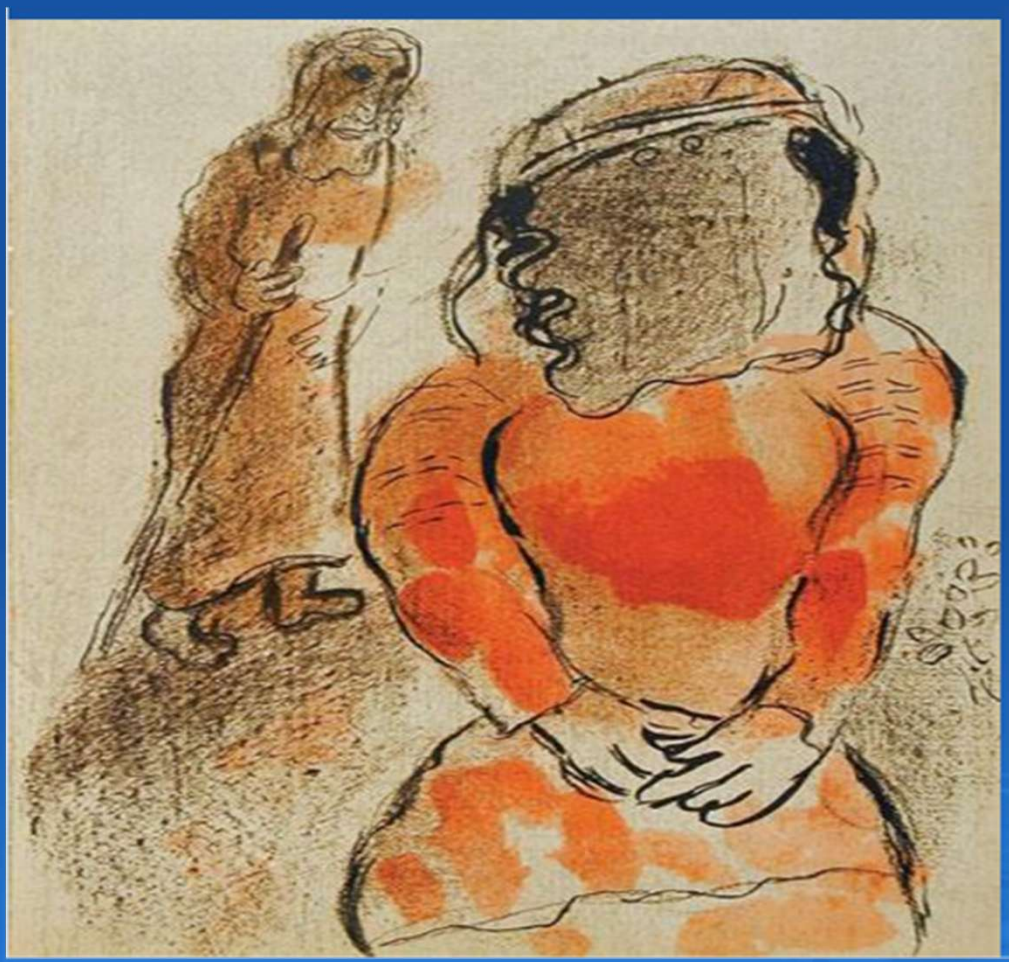

- ‘एर तामार से विवाह करता है।
- परमेश्वर ‘एर को पुत्र उत्पन्न होने से पहले मार डालता है।
- ओनान, यहूदा का दूसरा पुत्र, तामार से विवाह करने के लिए बाध्य था।
- लेविरेट विवाह
- लेविर, लैटिन
- हिब्रू यिब्बुम
- लेविरेट आवश्यकता केवल इस्राएल के लिए अद्वितीय नहीं थी।
- व्यवस्थाविवरण २५:५

- ओनान तामार को गर्भवती करने से इनकार करता है, इसलिए परमेश्वर ने उसे भी मार डाला!
- कारण: उत्पन्न पुत्र उसका नहीं होता।
- वह पुत्र यहूदा की सम्पत्ति के भाग का अधिकारी होता।
- तामार के पास बुढ़ापे में उसकी देखभाल करने के लिए कोई पुत्र नहीं होता।
- तीसरा पुत्र, शेला, तामार से विवाह करना चाहिए था।
- यहूदा ने इनकार कर दिया, तामार को उसके पिता के पास रहने के लिए भेज दिया।

तामार एक योजना बनाती है

- यहूदा भेड़ कतरने के लिए तिम्ना जाता है।
- यहूदा ने तामार के साथ बहुत अन्याय किया।
- तामार ने निश्चय किया कि वह यहूदा के साथ सोएगी, और उससे गर्भवती हो जाएगी।
- वह अपने आप को वेश्या के रूप में छिपाती है।
- 'ऐनायिम = देखने वाली आँखें

शुआ की पुत्री

- बाल के उपासकों में एक सामान्य प्रथा।
- अधिकांश "रहस्य बाबुल" धर्मों में पवित्र यौन सम्बन्ध शामिल थे।
- ३ महीने बाद यहूदा को पता चलता है कि तामार गर्भवती है और व्यभिचार के अपराध के लिए उसे जलाकर मारने का आदेश देता है।
- यहूदा को पता चलता है कि वह पिता है, तामार से क्षमा माँगता है।
- "वह मुझ से अधिक धर्मी है..."
- गलत!!

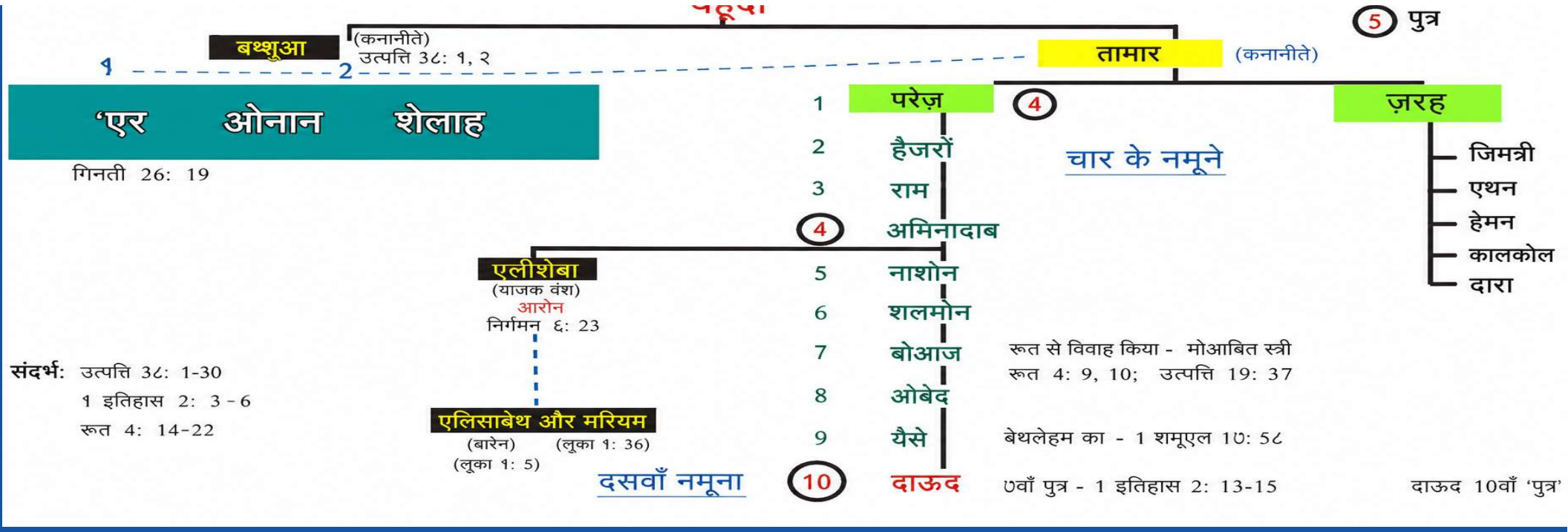

- तामार ने जुड़वाँ पुत्र उत्पन्न किए, पेरेस और जेरह
- रब्बी हमें बताते हैं कि तामार कनानी नहीं थी, वह शेमी (शेमवंशीय) थी
- यहूदा का इरादा था कि वह एक कनानी स्त्री (अपनी पत्नी) से प्रतिज्ञा का पुत्र उत्पन्न करे, परन्तु अन्त में हुआ यह कि प्रतिज्ञा की वंशावली शेमी ही रही
- पेरेस अलग होकर प्रतिज्ञा की वंशावली को आगे बढ़ाता गया

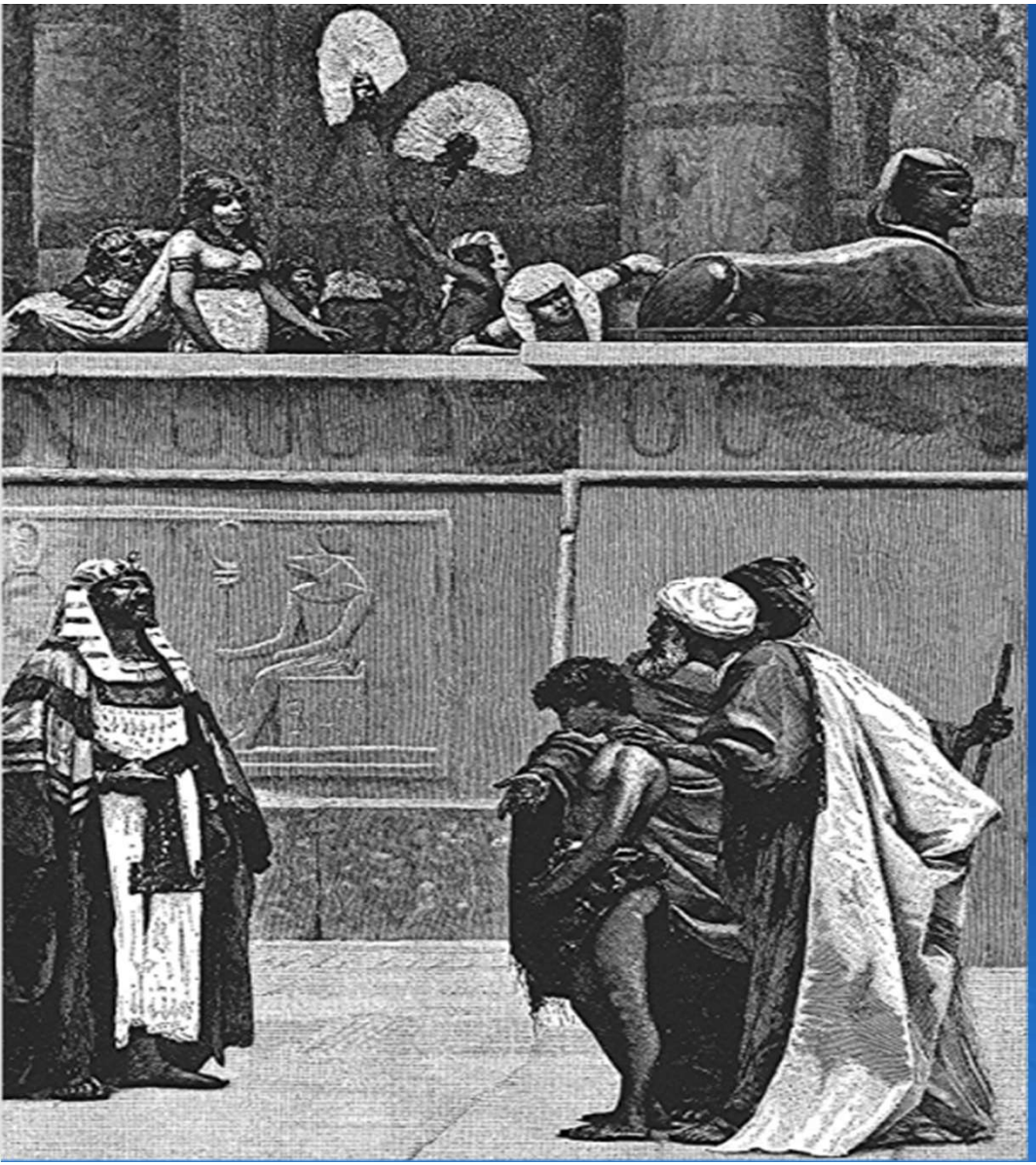

उत्पत्ति ३९ : यूसुफ मिस्र में

- पोतीफर ने यूसुफ को मोल लिया
- पोतीफर…. “एक मिस्री”
- मिस्र कभी आक्रामक जाति नहीं रहा था
- मिस्र को बेदुईनों… शेमवंशियों ने जीत लिया!
- हिक्सोस शासकों ने लगभग २०० वर्षों तक मिस्र पर अधिकार रखा
- हिक् = राजा
- सोस = चरवाहे
- हिक्सोस = चरवाहा राजा

हिक्सोस का शासन

- मिस्रियों ने अपनी पराजयों का लेख नहीं रखा
- यूसुफ के समय में और उसकी मृत्यु के लगभग १०० वर्षों बाद तक हिक्सोसों का शासन रहा
- इससे स्पष्ट होता है कि फिरौन ने यूसुफ को इतना ऊँचा पद क्यों दिया; क्योंकि वह फिरौन एक शेमी था, मिस्री नहीं!

पोतीफर की पत्नी यूसुफ की ओर आकर्षित हुई

- यूसुफ घर के दास के रूप में भी समृद्ध हो गया
- परमेश्वर सारी परिस्थिति का मार्गदर्शन कर रहा था
- पोतीफर की पत्नी ने यूसुफ को पकड़ लिया और वह भाग निकला
- उसने झूठ बोला और कहा कि उसने उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया

- मिस्री लोग बेदुईन शेमवंशियों के शासन में रहना घृणा करते थे, इसलिए यूसुफ को भी उन्हीं में गिना गया
- उसे बन्दीगह में डाल दिया गया, और शीघ्र ही वह जेल का अधिकारी बन गया
- कनान में बन्दीगृहों का प्रचलन नहीं था